



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 67]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 28, 1986/फाल्गुन 9, 1907

No. 67]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 28, 1986/PHALGUNA 9, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1986

आदेश

का. आ. 77 (अ)/18चक/18कक/आई. डी. आर. ए./86—
केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय औद्योगिक विकास
विभाग के आदेश सं. का. आ. 613 (अ)/18चक/18कक/आई. डी. आर.
ए./76, दिनांक 15 सितम्बर, 1976 द्वारा इन्डस्ट्रियल रिकंसट्रक्शन
कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड, कलकत्ता जिसे अब भारतीय औद्योगिक
पुनर्निर्माण बैंक कहा जाता है को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत
व्यक्ति कहा गया है) मैसर्स बंगाल पाटरीज लिमिटेड कलकत्ता के स्वामित्व
वाले 45 टंगरा रोड, कलकत्ता अंश 3, पगलाडांगा रोड, कलकत्ता स्थित
औद्योगिक उपक्रमों के सम्पूर्ण प्रबन्धों को 15 सितम्बर, 1976 से पांच
वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
के आदेशों द्वारा उक्त आदेश अवधि समय-समय पर 28 फरवरी, 1986
तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है कि अग्रेतर अवधि के
लिये बड़ा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार ने, यह राय होने पर कि सर्वसाधारण के हित
में यह सर्वोच्च था कि प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रमों का
प्रबन्ध करना जारी रखे, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
1951 (1951 का 65) की धारा 18 चक की उपधारा (2) के
परन्तुक के अधीन एक आवेदन कलकत्ता उच्च न्यायालय को दिया था
जिसमें यह प्रार्थना की गई कि ऐसा प्रबन्ध तारीख 31 अगस्त, 1986
तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए
जारी रखा जाए।

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 27 फरवरी, 1986 के
आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त दोनों औद्योगिक उपक्रमों का
प्रबन्ध तारीख 31 अगस्त, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित
है की और अवधि तक जारी रखने के लिए अनुज्ञात कर दिया था।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18कक के साथ पठित
धारा 18चक की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए प्राधिकृत व्यक्ति को निर्देश देती है, कि वह 31 अगस्त,
1986 तथा, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अवधि के
लिए उक्त दोनों औद्योगिक उपक्रमों का प्रबन्ध करना जारी रखे।

[फाईल सं. 2(19)/75-सी. यू. एस.]

ए. पी. मरकन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 28th February, 1986

ORDER

S.O. 77(E)|18FA|18AA|IDRA|86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 613(E)|18FA|18AA|IDRA|76, dated the 15th September, 1976, the Central Government had authorised the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta, now known as Industrial Reconstruction Bank of India, (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the two Industrial Undertakings at 45, Tangra Road, Calcutta, and at 3, Pagladanga Road, Calcutta, owned by Messrs Bengal Potteries Limited, Calcutta, for a period of five years from the 15th September, 1976.

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) for a further period upto and inclusive of the 28th February, 1986;

And whereas the Central Government being of opinion that it was expedient in the interests of the general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertakings, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such management for a further period upto and inclusive of 31st August, 1986;

And whereas, the said High Court by its Order dated the 27th February, 1986 permitted the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of 31st August, 1986.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA read with section 18AA of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said two industrial undertakings for a further period upto and inclusive of the 31st August, 1986.

[File No. 2(19)|75-CUS.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.